an>

Title: Need to set up new Cotton Research Centres in Gujarat.

श्री नारणभाई काछड़िया (अमरेली) ः गुजरात में कपास की लगभग 104 लाख बेल्स का उत्पादन होता है जो भारत की कुल उत्पादन क्षमता का 30 प्रतिशत है। वर्ष 2013-14 में गुजरात में 26.91 लाख हैक्टेयर में कपास की खेती की गई, जो भारत में की गई कपास की खेती के क्षेत्रफल का 23.29 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, गुजरात कपास के बीज के उत्पादन में भी भारत में सर्वश्रेष्ठ है। इसीलिए गुजरात में कपास के उत्पादन के लिए संस्थान केंद्र खोलने की आवश्यकता है। इस केंद्र द्वारा कपास के अच्छे बीजों के ज्ञान के अलावा अच्छे कपास की खरीद संबंधी जानकारी भी किसानों को दी जाएगी। इससे हम आने वाले 5-7 वर्षों में लगभग 200 लाख बेल्स कपास की खेती उपलब्ध भूमि में कर पाएंगे। इस प्रकार हम एक और "श्वेत क्रांति" की ओर अग्रसर हो जायेंगे। भारत में 11-15 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार कपास तथा फाइबर से संबंधित क्षेत्रों द्वारा मुहैया कराया जाता है। वर्तमान में गुजरात में दो रिसर्च के केंद्र जिनको गुजरात सरकार के इण्डियन काउन्सिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च द्वारा वित्तीय सहायता दी जा रही है जो क्रमशः सूरत स्थित नवसारी कृषि विश्वविद्यालय तथा जूनागढ़ स्थित जूनागढ़ कृषि विद्यालय द्वारा चलाये जा रहे हैं, पर्याप्त नहीं हैं।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि गुजरात में भारत सरकार द्वारा कपास उत्थान केंद्र खोला जाए जिससे अधिक से अधिक उत्तम गुणवत्ता की कपास की खेती नई तकनीक के द्वारा किसानों को ज्ञान देकर की जा सके जो तभी संभव हो सकेगा जब गुजरात में कपास उत्थान केंद्र खोला जाएगा।